एक नजर में

उंडेल पंचायत में एक ही बिल का कई बार भुगतान

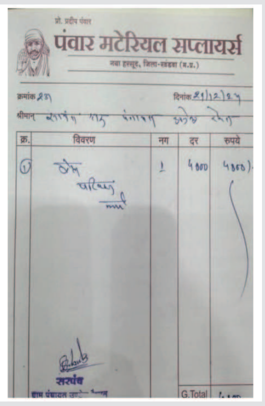

एक ही दिन में 30 बिलों का क्लियर

खंडवा। शासन की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी ग्राम पंचायतों पर होती है, लेकिन ग्राम पंचायत उंडेल में शासकीय राशि के उपयोग को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। जनजातीय वार्ड के आंतरिक मार्ग के सीसी रोड निर्माण कार्य में वित्तीय अनियमितता और नियम विरुद्ध भुगतान के आरोप सामने आए हैं। यह कार्य 10 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत किया गया था। ग्रामीणों के अनुसार सीमेंटीकरण कार्य में सरपंच, सचिव और उपयंत्री द्वारा विक्रेता आईडी क्रमांक 3156230 के अंतर्गत प्रदीप सिंह पवार के नाम एक ही दिन में 30 बिलों का भुगतान किया गया। जानकारी के अनुसार बिल क्रमांक 219 से 248 तक प्रत्येक बिल की राशि 4,800 रुपये दर्शाई गई है। 27 जनवरी 2025 को रेत परिवहन मद में कुल 1 लाख 44 हजार रुपये का भुगतान किया गया।

ग्रामीणों का आरोप है कि भ्रष्टाचार का स्तर इतना बढ़ गया कि एक ही बिल को कई बार दर्शाकर भुगतान कर दिया गया, जो वित्तीय नियमों के विपरीत है। मामले में यह सवाल भी उठ रहे हैं कि प्रदीप सिंह पवार के पास इतनी मात्रा में रेत परिवहन की अनुमति किस विभाग द्वारा प्रदान की गई थी और परिवहन के लिए देय कर एवं अन्य वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन किया गया या नहीं। ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए दोषी अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि शासकीय धन के दुरुपयोग की आशंका को देखते हुए संबंधित विभागों द्वारा भुगतान प्रक्रिया, रेत परिवहन अनुमति तथा कर संबंधी अभिलेखों की जांच की जानी चाहिए। हालांकि समाचार लिखे जाने तक संबंधित पंचायत पदाधिकारियों का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका था।

ऑटो चालक से मारपीट कर वाहन ले भागे बदमाश

थाने के बाहर छोड़कर हुए फरार

खंडवा। मोघट रोड थाना क्षेत्र में शनिवार रात दबंगई का मामला सामने आया, जहां चार बदमाशों ने एक ऑटो चालक के साथ मारपीट कर उसका ऑटो लेकर फरार हो गए। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने बकाया किस्त का झूठा बहाना बनाकर वारदात को अंजाम दिया और बाद में वाहन लौटाने के बदले रुपयों की मांग भी की। हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है और फिरौती मांगने के आरोपों की भी पड़ताल की जा रही है। खानशाहवली क्षेत्र निवासी 38 वर्षीय जाकिर हुसैन ऑटो चलाकर परिवार का पालन-पोषण करता है। पीड़ित के मुताबिक शनिवार रात करीब 9.30 बजे वह अपने घर के बाहर खड़ा था, तभी हस्सान उर्फ अस्सान, शैलू राठौर और उनके दो अन्य साथी वहां पहुंचे। आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और विरोध करने पर चारों ने मिलकर उसकी पिटाई कर दी। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और बीच-बचाव किया। इसी दौरान आरोपी जाकिर का ऑटो (एमपी-33-आर-3980) लेकर फरार हो गए। जाकिर का कहना है कि उसके वाहन पर कोई किस्त बकाया नहीं है, बावजूद इसके आरोपियों ने जबरन विवाद खड़ा किया। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि ऑटो वापस करने के लिए कुछ लोगों के जरिए पैसों की मांग की गई। घटना के बाद जाकिर हुसैन शिकायत दर्ज कराने मोघट रोड थाने पहुंचा। बताया जा रहा है कि पुलिस में रिपोर्ट होने की जानकारी लगते ही आरोपी ऑटो को थाने के बाहर खड़ा कर फरार हो गए। इससे मामला और भी संदिग्ध हो गया है। मोघट रोड थाना प्रभारी धीरेश धारवाल ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर दो नामजद समेत चार आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि वाहन ले जाने का उद्देश्य क्या था और क्या वास्तव में ऑटो छोड़ने के बदले पैसों की मांग की गई थी।

30 तक सभी विद्यार्थियों की बनेगी अपार आईडी

खंडवा। प्रदेश के सभी विद्यार्थियों के शैक्षणिक रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 'अपार' (ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री) आईडी बनाने का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। भारत सरकार के निर्देशानुसार 30 जून 2026 तक शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों की अपार आईडी बनाना अनिवार्य है।

प्रदेश में नर्सरी से कक्षा 12वीं तक लगभग 1.38 करोड़ विद्यार्थी नामांकित हैं। इनमें से अब तक करीब 93.97 लाख विद्यार्थियों की अपार आईडी तैयार हो चुकी है, जबकि शेष 44.47 लाख विद्यार्थियों की आईडी 30 जून तक बनाई जाएगी। इसके लिए सभी स्कूलों में प्रत्येक शनिवार को 'मेगा अपार दिवस' मनाया जाएगा।

अपार आईडी विद्यार्थियों के लिए आजीवन डिजिटल शैक्षणिक पहचान होगी, जिसमें उनके सभी शैक्षणिक रिकॉर्ड सुरक्षित रहेंगे। यह छात्रवृत्ति, प्रवेश और विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में भी सहायक होगी। जिन विद्यार्थियों के पास आधार कार्ड नहीं है, उनके लिए आधार नामांकन की व्यवस्था भी की जा रही है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर गायत्री परिवार ने किया वृक्षारोपण

खंडवा। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में गायत्री परिवार खंडवा द्वारा सूरजकुंड स्कूल ग्राउंड में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन के प्रति लोगों को जागरूक करना रहा। गायत्री परिवार के अजय लाड ने बताया कि कार्यक्रम में प्रबंध ट्रस्टी आनंदीलाल सोनी, भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के क्षेत्रीय संयोजक सुखपाल सिंह पवार, वित्त ट्रस्टी राकेश सोनी, राकेश तिवारी, आशीष पटेल, मुकेश मालवीय, अजय गुप्ता, श्रवण सिंह चौहान, पालीवाल बाबूजी, सूरजकुंड स्कूल के राठौर, ट्रस्टी उमा सोलंकी, अरुणा शर्मा, उर्मिला पांचाल, ज्योति राठौर, तुलसीराम सोलंकी सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

कोई जांच नहीं, किसी को आंच नहीं!

सहकारिता विभाग में करोड़ों डकार गए घोटालेबाज

राजू पटेल

नवभारत न्यूज खंडवा। कहने को तो सहकारिता तंत्र गरीब किसानों की आर्थिक रीढ़ माना जाता है, लेकिन खंडवा जिले में यह तंत्र रसूखदारों, भ्रष्ट प्रबंधकों और मूकदर्शक बने अफसरों के लिए मलाईदार चारागाह बन चुका है। जिले में एक के बाद एक महाघोटाले सामने आ रहे हैं, लेकिन मजाल है कि किसी बड़ी मछली पर आंच भी आ जाए! यहाँ का सीधा सा मूलमंत्र बन चुका है— कोई जांच नहीं, किसी को आंच नहीं।

अखबार की सुर्खियां चीख-चीख कर कह रही हैं कि पिपलानी कृषि शाखा समिति में 62.78 करोड़ रुपये का गबन किसानों के खून पसीने की कमाई से हुआ है. 300 से अधिक गरीब किसानों के खाते साफ कर दिए गए, 2000 से ज्यादा किसानों की जिंदगी भर की गाढ़ी कमाई (एफडी) को बिना उनकी मर्जी के तोड़कर डकार लिया गया. यह कोई दो-चार दिन का खेल नहीं था, बल्कि 31 सालों तक बहीखातों में हेराफेरी की जाती रही. तमाशा देखिए एक साल तक लंबी जांच का नाटक चला, जून 2025 में मुख्य आरोपी को सिर्फ निलंबित कर खानापूर्ति की गई, और अब जाकर एफआईआर दर्ज हुई है. इस पूरे मामले का कड़वा सच यह है कि इतने महीनों बाद भी अब तक एक भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है. जब करोड़ों हड़पने वाले खुलेआम घूम रहे हों, तो इसे प्रशासनिक मेहरबानी नहीं तो और क्या कहें?

रामेश्वर सोसायटी: नया मैदान, नया घोटाला, पुराना ढर्रा

पिपलानी की आग अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कि रामेश्वर सोसायटी में एक करोड़ रुपये से अधिक के गबन का नया जिन्न बोतल से बाहर आ गया। जिसकी भी जांच को महीनों बीत गए लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात जैसा ही है। यहाँ भी वही घिसा-पिटा ढर्रा अपनाकर मामले को ठंडे बस्ते में डालने की पूरी तैयारी है। विभाग के आला अधिकारी फाइलों को दबाकर बैठे हैं. आखिर क्यों इन सोसायटियों के प्रबंधकों पर सीधे और कड़े एक्शन लेने से विभाग के हाथ-पांव फूल जाते हैं? क्या इन घोटालों के तार ऊपर बैठे सफेदपोशों और साहबों के केबिन तक जुड़े हैं?

22 प्रबंधकों की नई खेप: भ्रष्टाचार ढंकने का इंतजाम?

इस पूरे दलदल के बीच, हाल ही में जिले की सहकारी समितियों में 22 नए प्रबंधकों की आनन-फानन में की गई नियुक्तियां सबसे बड़ा सवालिया निशान खड़ी करती हैं. आरोप लगे थे कि इस इन नियुक्तियों में लाखों रुपए लिए गए थे। विभाग के कई असंतुष्ट लोगों ने सिस्टम के खिलाफ ही मोर्चा खोल दिया था। एक तरफ पूरा सिस्टम सड़ चुका है, जांच के नाम पर लीपापोती चल रही है, और दूसरी तरफ इतनी बड़ी संख्या में नियुक्तियां कर दी जाती हैं. गलियारों में दबी जुबान से चर्चा है कि यह नई खेप पुराने पापों पर पर्दा डालने और चहेतों को मलाई बांटने के लिए लाई गई है. इन नियुक्तियों के पीछे की पारदर्शिता क्या है, इसकी जांच करने की जहमत कौन उठाएगा? बहरहाल साहब' मौन, किसान बेहाल है। जब तक इस पूरे सहकारी तंत्र का 'फॉरेंसिक ऑडिट' और उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच नहीं होगी, तब तक सच कभी बाहर नहीं आएगा. लेकिन यहाँ तो नीति ही साफ है—जब तक हो सके मामले को उलझाए रखो, जांच के नाम पर फाइलें घुमाते रहो, ताकि न कोई मुकम्मल जांच हो, और न ही किसी भ्रष्ट अधिकारी-कर्मचारी को आंच आए. गरीब और पीड़ित किसान आज भी जनसुनाई , बैंक और सोसायटियों के चक्कर काट रहा है, उसकी जमा पूंजी डूब चुकी है, लेकिन सहकारिता के जिम्मेदार अधिकारी कुंभकर्णी नींद का आनंद ले रहे हैं।

नर्मदा तट के तीन गांव जल जीवन मिशन से वंचित

नवभारत न्यूज ओंकारेश्वर। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना का उद्देश्य हर ग्रामीण परिवार तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना है, लेकिन खंडवा जिले की पुनासा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत मोरटक्का माफी के तीन गांव—ओंकारेश्वर रोड, मोरटक्का और खेड़ीघाट—आज भी इस सुविधा से वंचित हैं। हजारों ग्रामीण नर्मदा नदी, कुओं और बावड़ियों के पानी पर निर्भर हैं, जिससे डायरिया, पीलिया और टायफाइड जैसी जलजनित बीमारियों का खतरा बना हुआ है।

हैरानी की बात यह है कि इसी पंचायत के अन्य गांवों में जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन और नल-जल व्यवस्था पहुंच चुकी है, जबकि इन तीन गांवों को योजना में शामिल नहीं किया गया। इससे ग्रामीणों में नाराजगी है।

ओंकारेश्वर के प्रवेश द्वार पर पेयजल संकट: धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण ओंकारेश्वर रोड, मोरटक्का और खेड़ीघाट से हर वर्ष लाखों श्रद्धालु गुजरते हैं, लेकिन यहां के रहवासी आज भी शुद्ध पेयजल के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बरसात के दौरान जल स्रोतों के दूषित होने से बीमारी फैलने की आशंका और बढ़ जाती है।

पुरानी व्यवस्था के कारण छूटे गांव: पूर्व सरपंच देवराम पटेल के अनुसार करीब 45 वर्ष पहले बनाई गई जलापूर्ति व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। उनका कहना है कि 2019 में हुए सर्वे के दौरान पुराने अभिलेखों के आधार पर गांवों में जल व्यवस्था उपलब्ध मान ली गई, जिसके कारण ये गांव नई योजना में शामिल नहीं हो सके।

जनप्रतिनिधियों और प्रशासन को कराया अवगत: सरपंच बद्रीलाल बरेला और उपसरपंच प्रेमलाल पुनासिया ने बताया कि मामले की जानकारी सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक नारायण पटेल, कलेक्टर ऋषभ गुप्ता और जिला पंचायत अधिकारियों को दी जा चुकी है। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने कहा कि वह कलेक्टर की बैठक में संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर यह पता लगाएंगे कि इन गांवों को योजना में क्यों शामिल नहीं किया गया। जल जीवन मिशन के जिला प्रभारी मयंक रिछारिया ने कहा कि मामले की जानकारी लेकर प्रस्ताव तैयार किया जाएगा और ग्रामीणों को योजना का लाभ दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

बालिकाओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण

खंडवा। पुलिस एवं उदय सामाजिक विकास संस्था के संयुक्त तत्वावधान में सामुदायिक पुलिसिंग के अंतर्गत संचालित 'सृजन' कार्यक्रम के तीसरे दिन आत्मरक्षा एवं व्यक्तित्व विकास शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनके लिए इनडोर और आउटडोर प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए गए। रविवार को सामाजिक कार्यकर्ता मनोज वर्मा ने छह गांवों से आए 85 बच्चों को बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 तथा संशोधित अधिनियम 2016 की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों से किसी भी प्रकार का श्रम कराना प्रतिबंधित है, जबकि 14 से 18 वर्ष आयु वर्ग के किशोरों से जोखिमपूर्ण कार्यों में रोजगार लेना कानूनन अपराध है। अधिनियम का उल्लंघन करने वाले नियोजकों को छह माह से दो वर्ष तक की सजा अथवा 20 हजार से 50 हजार रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।

6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए निशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के मौलिक अधिकार की जानकारी भी दी। मनोज वर्मा ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उन्हें मजदूरी नहीं, बल्कि शिक्षा और बेहतर अवसर मिलना चाहिए। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी जागरूक किया गया और कार्यक्रम के बाद पौधारोपण किया गया। आउटडोर प्रशिक्षण सत्र में प्रशिक्षक योगेश धाकड़ और शुभम चंदेल ने प्रतिभागियों को पीटी, स्ट्रेचिंग, जंप, दैनिक व्यायाम तथा आत्मरक्षा के विभिन्न तरीके सिखाए। प्रशिक्षण में पंच, हाथ-पैरों की गतिविधियों और बचाव की तकनीकों का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम में उदय संस्था के प्रवीण सावले, राजेश कनाडे, वर्षा सावले, मनीषा मोहे, काशीराम मसानी, कृष्णा चौहान, नरेंद्र एवं रेखा परते सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सालों बाद जागा वन विभाग अवैध कारोबार पर छापेमारी

खंडवा। जिले में अवैध सागौन कारोबार के खिलाफ वन विभाग द्वारा शुक्रवार को की गई कार्रवाई चर्चा का विषय बनी हुई है। विभाग ने टिंबर मार्ट, लकड़ी से भरे ट्रक और दो मकानों पर छापेमारी कर संदिग्ध और अवैध सागौन जब्त किया है, लेकिन इस कार्रवाई के साथ ही कई सवाल भी खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों और वन क्षेत्र से जुड़े जानकारों का कहना है कि वर्षों बाद हुई इस कार्रवाई में छोटे स्तर के कारोबारियों पर तो शिकंजा कसा गया, लेकिन बड़े लकड़ी माफिया अब भी विभाग की पकड़ से दूर हैं।

जानकारों के मुताबिक जिले के कई वन क्षेत्रों में पिछले कई वर्षों से सागौन की अवैध कटाई और तस्करी का खेल चलता रहा है। कई स्थानों पर वन संपदा को भारी नुकसान पहुंचा है और हजारों की संख्या में पेड़ों की कटाई होने की शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। इसके बावजूद बड़े नेटवर्क और कथित सरगनाओं तक कार्रवाई नहीं पहुंच सकी। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब जंगलों को लगातार नुकसान पहुंचाया जा रहा था, तब वन विभाग की निगरानी और गश्ती व्यवस्था कितनी प्रभावी थी। हाल ही में हुई कार्रवाई में 144 संदिग्ध लकड़ी के चट्टे, एक ट्रक और दो मकानों से सागौन की चिरान जब्त की गई है। हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कार्रवाई केवल छोटे स्तर तक सीमित दिखाई दे रही है। उनका मानना है कि अवैध कारोबार के पीछे सक्रिय बड़े खिलाड़ियों और संगठित नेटवर्क की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई किए बिना इस समस्या पर रोक लगाना संभव नहीं होगा।

अस्पतालों में पौधारोपण

खण्डवा । जिले की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में शुक्रवार को वृक्षारोपण किया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किल्लौद, छैगांवमाखन, ग्राम पांजरिया सहित विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं में विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उपस्थित नागरिकों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। इस अवसर पर सभी ने पौधों की नियमित देखभाल एवं अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प भी लिया।

उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन पूरा

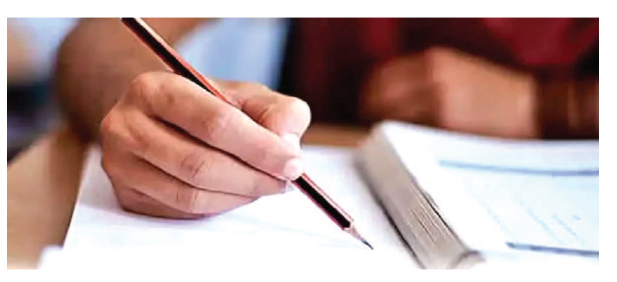

खंडवा। हाईस्कूल एवं हायर सेकंडरी द्वितीय अवसर परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का कार्य जिले में निर्धारित समय सीमा से पहले पूरा कर लिया गया है।

मूल्यांकन केंद्र अधिकारी एवं शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य भूपेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि मूल्यांकन केंद्र को कुल 23,400 उत्तर पुस्तिकाएं प्राप्त हुई थीं। इन उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन लगभग 150 विषय विशेषज्ञों द्वारा किया गया। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा निर्धारित 10 जून की समय सीमा से पूर्व ही संपूर्ण मूल्यांकन कार्य सफलतापूर्वक संपन्न कर लिया गया है। इससे परीक्षा परिणाम जारी करने की प्रक्रिया में तेजी आएगी।

नर्मदा किनारे मोरटक्का क्षेत्र में तेज आंधी, बरसात :ब्रिज पर जाम लगा

खंडवा. में प्री-मानसून एक्टिविटी देखने को मिली हैं। नर्मदा क्षेत्र के मोरटक्का में रविवार दोपहर को तेज हवा और आंधी के साथ बरसात हुई हैं। करीब एक घंटे तक पानी गिरा हैं। हालात ऐसे बने कि इंदौर-खंडवा और ओंकारेश्वर को जोड़ने वाले मोरटक्का ब्रिज पर जाम लग गया। जाम में फंसे वाहनों के बीच एक ऑटो तेज हवा में लहराते हुए पलटी खा गया। मोरटक्का, ओंकारेश्वर और आसपास के इलाकों में हुई तेज बारिश के चलते नुकसानी भी हुई हैं। दोपहर से पूरे क्षेत्र में बिजली सप्लाई बंद हैं। वहीं जगह-जगह पेड़ गिर गए। मोरटक्का, खेड़ीघाट और खंडवा, ओंकारेश्वर रोड़ समेत करीब एक दर्जन स्थानों पर पेड़ गिरे हैं। क्षेत्र में पहली बार इतना भयंकर तूफान देखा गया हैं। हवा की रफ्तार 100 किलोमीटर प्रति घंटे के करीब बताई गई हैं। तेज बारिश और तूफान के चलते वीकेंड के दिन ओंकारेश्वर आने वाले श्रद्धालुओं को भी मुश्किल का सामना करना पड़ा हैं। मोरटक्का और आसपास के गांवों में कई मकानों के चद्दर भी उड़ गए हैं, जिससे लोगों का जनजीवन प्रभावित हो गया हैं। कुछ घरों में रखा अनाज भी भीग गया हैं। आम लोगों पर दोहरी मार पड़ गई हैं। इधर, खंडवा शहरी क्षेत्र में भी देर शाम को हवा में ठंडक बनीं रहीं हैं।

डिजी यात्रा ने पार किया 10 करोड़ उपयोग का आंकड़ा

▶ 38 हवाई अड्डों पर यात्रियों को मिल रही तेज और सुगम सेवाएं

नवभारत न्यूज

इंदौर. देश में हवाई यात्रा को अधिक स्मार्ट, तेज और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में डिजी यात्रा ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है. 38 हवाई अड्डों पर डिजी यात्रा के उपयोग का आंकड़ा 10 करोड़ से अधिक पहुंच गया है, जिससे लाखों यात्रियों को तेज चेक-इन, सुगम प्रवेश और परेशानी मुक्त बोर्डिंग की सुविधा मिल रही है.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण एएआई ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि डिजी यात्रा की यह उपलब्धि भारत में डिजिटल और निर्बाध हवाई यात्रा की दिशा में तेजी से हो रही प्रगति को दर्शाती है. प्राधिकरण के अनुसार, डिजी यात्रा के माध्यम से यात्रियों को हवाई अड्डों पर लंबी कतारों से राहत मिल रही है और उनकी यात्रा पहले की तुलना में अधिक सुविधाजनक एवं समयबद्ध हो रही है. डिजी यात्रा प्रणाली फेस रिकग्निशन तकनीक पर आधारित है, जो यात्रियों की पहचान को सुरक्षित और संपर्क रहित तरीके से सत्यापित करती है. इससे चेक-इन, सुरक्षा जांच और बोर्डिंग प्रक्रिया तेज होती है तथा यात्रियों का समग्र यात्रा अनुभव बेहतर बनता है.

यात्री डिजिटल समाधान अपना रहे

प्राधिकरण के अनुसार, देशभर में डिजी यात्रा का बढ़ता उपयोग इस बात का प्रमाण है कि यात्री आधुनिक डिजिटल समाधानों को तेजी से अपना रहे हैं. यह पहल भारत के विमानन क्षेत्र को अधिक तकनीक-सक्षम, कुशल और यात्री-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है.

छात्रों का साइंस ओलंपियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन

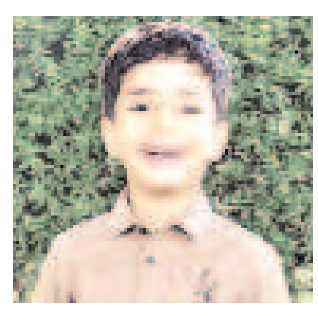

इंदौर . शैक्षणिक उत्कृष्टता का शानदार प्रदर्शन करते हुए शहर के छात्रों ने साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) परीक्षाओं 2025-26 में बेहतरीन सफलता हासिल कर शहर का नाम रोशन किया है . इस वर्ष आयोजित एसओएफ ओलंपियाड में 72 देशों के लाखों छात्रों ने भाग लिया, जिनमें इंदौर के 57 हजार से अधिक छात्र शामिल थे . प्रमुख प्रदर्शन करने वाले छात्रों में रेडिएंट इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा 2 के छात्र श्रेयांश अग्रवाल ने इंटरनेशनल इंग्लिश ओलंपियाड में, द शिशुकुंज इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा 2 के छात्र आरव गुप्ता ने इंटरनेशनल मैथेमेटिक्स ओलंपियाड में तथा मेडी-कैप्स इंटरनेशनल स्कूल के कक्षा 1 के छात्र आहान आहूजा ने इंटरनेशनल कंप्यूटर साइंस ओलंपियाड (आईसीएसओ) में इंटरनेशनल रैंक 1 प्राप्त की . सभी छात्रों को गोल्ड मेडल और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा . साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन के संस्थापक एवं निदेशक महाबीर सिंह ने कहा, एसओएफ ओलंपियाड विद्यार्थियों को उत्कृष्टता हासिल करने और तार्किक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित कर रहा है |.

खालवा में सवा करोड़ के कामों की सौगात

खंडवा. जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने खालवा में करीब 1.20 करोड़ रुपए की लागत वाले 10 विकास कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया है। शाह ने कहा कि प्रदेश सरकार आदिवासी अंचलों के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार काम कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और बुनियादी सुविधाओं को प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि जनजातीय समुदाय को मुख्यधारा से जोड़कर उनके जीवन स्तर में सुधार लाया जा सके। मंत्री विजय शाह ने कहा कि सरकार जनजातीय विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, निशुल्क गणवेश, पाठ्य पुस्तकें और साइकिल जैसी सुविधाएं उपलब्ध करा रही है, जिससे कोई भी छात्र आर्थिक कारणों से शिक्षा से वंचित ना रहे। साथ ही अफसरों को निर्देश दिए कि विकास कार्यों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निर्माण हो। इधर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दिव्यादित्य शाह ने कहा कि किसानों और मजदूरों की आय में वृद्धि होने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है और लोगों के जीवन में खुशहाली आई है। मंत्री विजय शाह ने चार विकास कार्यों का लोकार्पण किया, जिनमें 15 लाख रुपए से मुक्तिधाम मार्ग पर पुलिया निर्माण कार्य, 15 लाख रूपए विसर्जन घाट निर्माण कार्य, वार्ड क्रमांक 18 में 12 लाख रुपए की लागत से पेवर ब्लॉक सड़क निर्माण, वार्ड क्रमांक 5 में 9 लाख रुपए से पेवर ब्लॉक सड़क निर्माण जैसे कार्य शामिल हैं। मंत्री ने छह नए विकास कार्यों का भूमिपूजन कर निर्माण कार्यों का शुभारंभ भी किया। इनमें 9 लाख रुपए से मुक्तिधाम में टीन शेड निर्माण, 15 लाख रुपए से आदिवासी वार्ड में सीसी रोड निर्माण, 15 लाख से मुक्तिधाम रोड पर ग्रेवल मार्ग निर्माण, वार्ड 10 में 15 लाख रुपए से पेवर ब्लॉक सड़क निर्माण, वार्ड क्रमांक 16 में 10 लाख रुपए से पेवर ब्लॉक सड़क निर्माण और अन्य कार्य शामिल हैं।